Scheme of Examination of M.Phil. Hindi Ist, IInd and IIIrd Semester (One and Half Year Course) and Ph.D Course Work for the session 2015-2016

Ph.D Course Work/M.Phil Ist Semester 2015-2016

Name of Paper	Max. Marks	Theory	Internal
प्रथम प्रश्न पत्र : शोध प्रविधि और प्रक्रिया	100	80	20
द्वितीय प्रश्न पत्र : साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन	100	80	20
तृतीय प्रश्न पत्र : स्त्री विमर्श	100	80	20

Total = 300

M.Phil IInd Semester 2015-2016

Name of Paper	Max. Marks	Theory	Internal
प्रथम प्रश्न पत्र : हिंदी–आलोचना	100	80	20
द्वितीय प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका	100	80	20
तृतीय प्रश्न पत्र : प्रोजेक्ट वर्क (समीक्षात्मक लेखन)	100	80	20

Total = 300

M.Phil IIIrd Semester 2015-2016

Name of Paper	Max. Marks		
लघु शोध प्रबन्ध	200	लघु शोध प्रबंध मूल्यांकन 150	मौखिकी परीक्षा 50

Grand Total = 800

Head, Dept. of Hindi

पीएच०डी० कोर्स वर्क / एम0 फिल0 हिंदी : प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

शोध–प्रविधि और प्रक्रिया

2015–16

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

खण्ड क

शोध का स्वरूप : सैद्धान्तिक पक्ष

शोध : व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप
शोध : तत्व, क्षेत्र, दृष्टि, पद्धति, उपस्थापन
शोध के प्रयोजन
शोध और आलोचना
शोध के प्रकार

- साहित्यिक शोध
- अन्तरविद्यावर्ती शोध (मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, सौन्दर्यशास्त्रीय एवं भाषा शास्त्रीय शोध)
- लोक साहित्यिक शोध
- तुलनात्मक शोध

खण्ड ख

विषय–चयन तथा शोध–विधि

विषय–चयन : सर्वेक्षण, समालोचन एवं निर्धारण
शोध–क्षेत्र तथा शोध दृष्टि के आधार पर विषयों के प्रकार
रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति
सामग्री संकलन–विभिन्न पद्धतियाँ (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि)
संकलित सामग्री की उपयोग विधि

खण्ड ग

विषय–प्रतिपादन की पद्धति

सामग्री का विभाजन तथा संयोजन (अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात)
तर्क–पद्धति, निरूपण तथा तत्वान्वेषण
प्रामाणिकता : अन्तःसाक्ष्य तथा बहिःसाक्ष्य
उद्धरण तथा सन्दर्भोल्लेख (पाद टिप्पणी लेखन)
भूमिका, उपसंहार लेखन
परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री)

क संदर्भ ग्रंथ सूची
ख पत्र–व्यवहार और अन्य उल्लेख
ग विषयों, नामों की अनुक्रमणिका, अन्य सामग्री (चित्र–स्केच) आदि प्रस्तुत करने की विधियाँ

खण्ड घ

हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर : परिचय और महत्व
कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र
इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
इंटरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ
मशीनी अनुवाद

सहायक ग्रंथ

1 साहित्यिक शोध के आयाम–डॉ0 शशि भूषण सिंहल, आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली ।
2 शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि–डॉ0 बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमि0 दिल्ली ।
3 संभावना पत्रिका (शोध विशेषांक) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।
4 अनुसंधान–सत्येन्द्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
5 शोध–प्रविधि, डॉ0 विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 शोध–प्रविधि, डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।
7 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
8 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

निर्देश :

पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को एक–एक प्रश्न करना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर आलेख एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं।

पीएच०डी० कोर्स वर्क / एम0 फिल0 हिंदी : प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

2015–16

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

(क) विषय प्रवेश

साहित्यशास्त्र : स्वरूप, क्षेत्र और प्रयोजन
संस्कृत काव्यशास्त्र के विकास की रूपरेखां
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास की रूपरेखा

(ख) भारतीय साहित्य सिद्धान्त

रस सिद्धान्त का काव्यशास्त्र और मनोविज्ञानशास्त्र के संदर्भ में विवेचन
आधुनिक काव्य के संदर्भ में रस सिद्धान्त का मूल्यांकन
अलंकार सिद्धांत
ध्वनि सिद्धांत
रीति सिद्धांत
वक्रोक्ति सिद्धांत
औचित्य सिद्धांत

(ग) पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

- प्रेरणा सिद्धांत
- अनुकरण सिद्धांत
- औदात्य सिद्धांत
- कल्पनावाद
- आभिजात्यवाद
- स्वच्छन्दतावाद
- अभिव्यंजनावाद

सहायक पुस्तकें

1 भारतीय काव्य–शास्त्र की भूमिका : सम्पादक डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

2 संस्कृत आलोचना–बलदेव उपाध्याय : प्रकाशन ब्यूरो, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश ।

3 साहित्य विज्ञान : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेन्दु प्रकाशन, दिल्ली ।

4 हिंदी काव्य शास्त्र में रस–सिद्धांत : डॉ0 सच्चिदानन्द चौधरी, अनुसंधान प्रकाशन, दिल्ली ।

5 रस–सिद्धान्त : डॉ0 नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

6 हिंदी काव्य शास्त्र में कविता का स्वरूप : विकास–डॉ0 पुष्पा बंसल ।

7 रस–सिद्धान्त का पुनर्विवेचन : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

8 पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : सिद्धान्त और वाद : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।

9 पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : दृष्टि और दर्शन : डॉ0 पुष्पा बंसल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।

10 समीक्षालोक : डॉ0 भगीरथ दीक्षित, समुदाय प्रकाशन, बम्बई ।

11 नीति विज्ञान : डॉ0 विद्या निवास मिश्र, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

12 शैली विज्ञान : डॉ0 नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

13 संस्कृत काव्य शास्त्र : कोण और दिशाएँ : डॉ0 पुष्पा बंसल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।

निर्देश –

पूरे पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर आलेख एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं ।

पीएच०डी० कोर्स वर्क / एम. फिल. प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

स्त्री विमर्श एवं स्त्री लेखन

2015–16

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100 आंतरिक
मूल्यांकन परीक्षा : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

पाठ्य विषय

खंड क

स्त्री विमर्श का सैद्धंतिक पक्ष

- स्त्री विमर्श और स्त्री अस्मिता का अध्ययन
- पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था और स्त्री–प्रश्न
- स्त्री–मुक्ति आंदोलनः
  भारतीय परिप्रेक्ष्य : भारतीय नवजागरण और स्त्री–प्रश्न, राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और स्त्री–प्रश्न, स्वतंत्र भारत में स्त्री–आंदोलन
  पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य : उदारवादी संप्रदाय, समाजवैज्ञानिक संप्रदाय, मनोवैज्ञानिक संप्रदाय, उग्रउन्मूलनवादी संप्रदाय, उत्तरआधुनिक चिंतन एवं स्त्रीवाद
- स्त्री संबंधी कानूनी प्रावधान

खंड ख

प्रमुख स्त्रीवादी चिंतक एवं उनकी रचनाएं

- अपना कमरा : वर्जीनिया वुल्फ
- स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बउवा
- सीमंतनी उपदेश : अज्ञात हिंदू महिला
- हिंदू स्त्री का जीवन : पं0 रमाबाई

खंड ग

हिंदी का स्त्री लेखन और स्त्री विमर्श

- स्त्री–लेखन की परंपरा : मध्यकाल तक
- स्त्री लेखन की परंपरा : आधुनिक काल से अद्यतन
- साहित्य की स्त्री दृष्टि
- मीरांबाई : हिंदी की पहली स्त्रीविमर्शकार
- 'श्रृंखला की कड़ियां' में निरूपित स्त्री प्रश्न
- कठगुलाब के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रणः स्मिता, नीरजा, नर्मदा, असीमा, दर्जिन बीबी और विपिन
- 'अन्या से अनन्या' में उभरती स्त्री छवि
- पुरुष रचनाकारों की स्त्री–दृष्टि : 'गोदान', 'त्यागपत्र'

सहायक पुस्तकें

1 स्त्री अधिकारों का औचित्य, मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

2 स्त्रियों की पराधीनता, जे0एस0 मिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

3 अपना कमरा, वर्जीनिया वुल्फ, संवाद प्रकाशन, मेरठ ।

4 स्त्री उपेक्षिता, सीमोन बोउवार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

5 विद्रोही स्त्री, जर्मेन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

6 द ऑरिजन ऑफ फैमिली फ्रेडरिक एंगिल्स, प्राइवेट प्रॉपर्टी एंड स्टेट

7 स्त्रीत्व का मानचित्रा अनामिका, सामयिक प्रकाशन

8 दुर्ग द्वार पर दस्तक, कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ ।

9 परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

10 उपनिवेश में स्त्री, प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

11 साहित्य का स्त्री–स्वर , रोहिणी अग्रवाल

12 हिंदी उपन्यास का स्त्री–पाठ, रोहिणी अग्रवाल

13 साहित्य की जमीन और स्त्री–मन के उच्छ्वास, रोहिणी अग्रवाल

14 हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ0 लालचंद गुप्त 'मंगल', हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

15 जब स्त्रियों ने इतिहास रचा, कुसुम त्रिपाठी

निर्देश

पहले दो खंडें में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कम से कम एक प्रश्न अवश्य करना होगा। तीसरे खंड में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर दो शोध–पत्र एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा। दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं।

एम0 फिल0 हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

हिन्दी आलोचना

2015–16

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

1 हिंदी आलोचना की अस्मिता
2 रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
प्रमुख आचार्य–केशवदास, देव, मतिराम, भूषण, भिखारी दास
3 रसवादी आलोचना : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र
4 छायावादी कवियों का साहित्य चिंतन : प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी वर्मा
5 मार्क्सवादी आलोचना और डॉ0 रामविलास शर्मा
6 मानवतावादी आलोचना और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
7 हिंदी के समकालीन आलोचक : अज्ञेय, मुक्तिबोध, नामवर सिंह
8 हिंदी की समकालीन आलोचना पद्धतियाँ : स्त्रीवादी आलोचना, दलित आलोचना

संदर्भ–ग्रन्थ

1 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या / रामस्वरूप चतुर्वेदी / लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना / रामविलास शर्मा / राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3 काव्यकला तथा अन्य निबन्ध / जयशंकर प्रसाद / प्रसाद प्रकाशन मंदिर, वाराणसी ।
4 कवि–दृष्टि / अज्ञेय, सं0 रामस्वरूप चतुर्वेदी / लोकभारती, इलाहाबाद ।
5 कविता के नए प्रतिमान / नामवर सिंह / राजकमल प्रकाश, नई दिल्ली ।
6 कामायनी का पुनर्मूल्यांकन / रामस्वरूप चतुर्वेदी / लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 दूसरी परम्परा की खोज / नामवर सिंह / राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8 रामचन्द्र शुक्ल / मलयज / राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9 रामचन्द्र शुक्ल संचयन / सं0 नामवर सिंह / साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
10 रामचन्द्र शुक्ल–आलोचना का अर्थ : अर्थ की आलोचना / रामस्वरूप चतुर्वेदी / लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11 वाद–विवाद–संवाद / नामवर सिंह / राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
12 साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध / महादेवी वर्मा / लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13 हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक आधार / कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास / भागीरथ मिश्र / हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
15 हिंदी आलोचना / विश्वनाथ त्रिपाठी / राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
16 हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी / निर्मला जैन / राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश

पूरे पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर आलेख एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं ।

एम0 फिल0 हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका
2015–16

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

खंड क

मध्ययुगीन बोध : विविध पक्ष

1 मध्ययुगीनता की अवधारणा
2 मध्ययुगीन बोध का पृष्ठाधार : सामाजिक एवं दार्शनिक चिंतन
3 पुनर्जागरण और हिंदी लोक जागरण
4 आधुनिक बोध और मध्ययुगीन बोध : साम्य–वैषम्य
5 आधुनिक बोध का स्वरूप
6 आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति
7 राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के संदर्भ में अरविंद, गांधी और अंबेडकर का चिंतन

खंड ख

विविध चिंतन धाराएं

1 मार्क्सवाद
2 मनोविश्लेषणवाद
3 अस्तित्ववाद
4 यथार्थवाद
5 संरचनावाद
6 उत्तरसंरचनावाद
7 विखंडन

सहायक पुस्तकें

1	हिंदी साहित्य का इतिहास	डॉ0 रामचन्द्र शुक्ल
2	हिंदी साहित्य की भूमिका	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
3	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	डॉ0 गणपतिचन्द्रगुप्त
4	हिंदी साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि	डॉ0 शंभूनाथ सिंह
5	हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	डॉ0 लाल चंद गुप्त 'मंगल'

6 साहित्यिक शोध के आयाम–डॉ0 शशि भूषण सिंहल, आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली ।

7 शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि–डॉ0 बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमि0 दिल्ली ।

8 संभावना पत्रिका (शोध विशेषांक) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।

9 अनुसंधान–सत्येन्द्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।

10 शोध–प्रविधि, डॉ0 विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

11 शोध–प्रविधि, डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।

निर्देश :

पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से चार–चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को दो–दो प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर आलेख एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं ।

एम0 फिल0 हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र
प्रोजेक्ट वर्क : (समीक्षात्मक लेखन)
2015–16

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 40अंक + 40 अंक

निर्देश –

प्रस्तुत प्रश्न–पत्र 'प्रोजेक्ट वर्क' प्रकृति का होगा जिसका लक्ष्य पुस्तकों के अध्ययन–विश्लेषण के लिए विद्यार्थियों में आलोचकीय एवं सर्जनात्मक दृष्टि विकसित करना है। इस प्रोजेक्ट वर्क हेतु पूरी कक्षा को 5–5 विद्यार्थियों के चार ग्रुपों में विभाजित किया जाएगा और प्रत्येक ग्रुप को पूरे सेमेस्टर के दौरान एक–एक कर कुल दो पुस्तकों का दो भिन्न समीक्षात्मक दृष्टियों से अध्ययन एवं लेखन करना होगा। पुस्तक का चयन एवं आवंटन अध्यापक एवं विद्याथियों की आमसहमति से होगा।

प्रोजेक्ट वर्क का मूल्यांकन आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन हेतु दो पत्र प्रस्तुति एवं एक सेमिनार देना होगा।

एम0 फिल0 हिंदी : तृतीय सेमेस्टर
लघु शोध प्रबन्ध
2015–16

परीक्षार्थी को विभागीय समिति द्वारा आवंटित किए गए शोध–विषय पर लगभग सौ टंकित पृष्ठों का लघु शोध प्रबन्ध शोध निर्देशक के निर्देशन में लिखना होगा । लघु शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन दो चरणों में होगा । प्रथम चरण में लघु शोध प्रबन्ध का बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा तथा द्वितीय चरण में बाह्य परीक्षक द्वारा विभागीय समिति के समक्ष मौखिकी परीक्षा होगी । यह प्रश्नपत्र 200 अंक का होगा । लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन हेतु 150 अंक तथा मैखिकी परीक्षा हेतु 50 अंक निर्धारित हैं ।